भाषा परिवर्तन के बाह्य कारण

जिस प्रकार अभ्यंतर कारणों से भाषा में परिवर्तन होता है उसी प्रकार बाह्य कारणों से भी भाषा में परिवर्तन होता है यह बाह्य कारण निम्नानुसार है--

1) व्यक्तिगत कारण : --

हर एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति से भिन्न होता है। यह भिन्नता रूप, आकार में दिखाई देती है। उसी के साथ भाषा में भी यह भिन्नता दिखाई देती है। एक ही भाषा बोलने वाले व्यक्तियों के उच्चारण अलग - अलग दिखाई देते हैं।

उदाहरणार्थ -- हिंदी भाषा बोलने वाले अनेक व्यक्तियों द्वारा 'स' का उच्चारण 'श' और 'श' का उच्चारण 'स' बोलने की प्रवृत्ति दिखाई देती है।

फलस्वरूप स्नान का अस्नान

स्तर का अस्तर उच्चारण देखने को मिलते हैं।

2) सामाजिक कारण : --

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है और उसके द्वारा प्रयुक्त भाषा एक सामाजिक संपत्ति है। इस प्रकार मनुष्य का जहां समाज से घनिष्ठ संबंध है वही उसकी भाषा भी समाज से अभी ना रूप से जुड़ी है।

भाषा एक नदी की प्रवाह की भारती है। अपने संपर्क में जो भाषा आती है उससे कुछ ना कुछ शब्दों को ग्रहण करती है।

उदाहरणार्थ-- हिंदी भाषा अरबी फारसी अंग्रेजी आदि भाषाओं के संपर्क में आई तो उन भाषाओं के शब्द हिंदी ने ग्रहण किया। जैसे- मम्मी, पापा, रेल टिकट, डॉक्टर कोट ,गरीब, मजदूर आदि।

हिंदी भाषा में प्रयुक्त अनेक शब्द भाषा परिवर्तन के इसी सामाजिक कारण के ओर संकेत करते हैं।

3) धार्मिक कारण : --

व्यक्तिगत और सामाजिक कारणों की धर्म भी भाषा में परिवर्तन उत्पन्न कर देता है। एक धर्म के अनुयायी दूसरे धर्म के अनुयायी संपर्क में आते हैं और धार्मिक विचारों का आदान-प्रदान होता है तो लोग एक दूसरे के धार्मिक शब्दों का प्रयोग व्यवहार में करने लगते हैं। इस प्रकार एक भाषा के द्वारा दूसरे भाषा- भाषियों के धार्मिक शब्दों को अपनाने के कारण उसमें परिवर्तन आ जाता है।

उदाहरणार्थ-- सोम > होम

सिंधु > हिंदू

उसी प्रकार हिंदी ने इस्लाम धर्म के शब्द ग्रहण किए...

जैसे-- अल्लाह, मस्जिद, कुरान, नमाज आदि।

By Dr. Sangita Chitrakoti

4) राजनीतिक कारण -- राजनीति के कारण केवल शासन, समाज में ही नहीं अपितु भाषा में भी परिवर्तन हो जाते हैं। जब कोई एक देश दूसरे देश पर आक्रमण करता है तब एक दूसरे के संपर्क में आने से दोनों देश एक दूसरे के शब्द ग्रहण करते है।

उदाहरणार्थ -- भारत में हून आदि जातियों का आगमन हुआ और राजसत्ता उनके हाथों में गई तो संस्कृत शब्द में परिवर्तन होने लगा--

जैसे -- धर्म > धम्म

कर्म > कम्म

हस्ति > हस्थि

जैसे रूपों में परिवर्तन होने लगा। इसी प्रकार मुसलमान आक्रमणकारियों के हाथों में सत्ता आयी तो हिंदी भाषा में परिवर्तन हुआ।

उदाहरणार्थ-- संयुक्ताक्षर में परिवर्तन --- चंद्र > चंदर

रत्न > रतन

इस प्रकार के उच्चारण राजनीतिक कारण के द्योतक है।

5) आर्थिक कारण -- किसी समाज की अर्थव्यवस्था भी उस समाज को प्रभावित करती हैं। फलस्वरूप भाषा में परिवर्तन होता है। जिस प्रकार मनुष्य के कई सामाजिक स्तर होते हैं उसी प्रकार कई विभिन्न आर्थिक स्तर भी होते हैं। यह आर्थिक स्तर भी भाषा परिवर्तन के कारण होते हैं।

6) सांस्कृतिक कारण -- हर समाज की अपनी एक विशिष्ट संस्कृति होती है। इस संस्कृति का प्रभाव मनुष्य द्वारा प्रयुक्त भाषा पर भी पड़ता है। संस्कृति समाज का प्राण होती है। जिस जिस समाज में सांस्कृतिक आंदोलन हुए हैं भाषा स्वतः विकास के पथ पर आगे बढ़ी है। भाषा क्षेत्र में भी आंदोलन हुए हैं।

उदाहरणार्थ -- गौतम बुद्ध द्वारा जनसामान्य तक अपनी बात पहुंचाने के लिए 'पाली' भाषा का प्रयोग किया इसलिए पाली भाषा विकसित अर्थात परिवर्तित हुई।

दो संस्कृतियों का सम्मिलन जब होता है तब भी भाषा में परिवर्तन हो जाता है क्योंकि शब्दों की लेन देन की जाती है।

जैसे -- हिंदी में अनेक भाषाओं के शब्द प्रचलित है--

ऑस्ट्रीको --- गंगा

द्रविड़ --- तीर, मीन

यवन --- होड़ा, दाम, सुरंग आदि।

7) भौगोलिक कारण -- हर देश की अपनी एक विशेष भौगोलिक स्थिति होती है। किसी स्थान की जलवायु उष्ण होती है तो किसी स्थान की शीतल और किसी स्थान की शीतोष्ण. जलवायु की इस भिन्नता का प्रभाव उस स्थान की लोगों की भाषाओं पर भी पड़ता है। जिस स्थान की जलवायु शीत प्रधान है वहां के लोग अपना वाग्यन्त्र पूरी तरह खोल नहीं पाते यही कारण है कि अंग्रेजी बोलने वाले इंग्लैंड के निवासी तुम्हारा को टुमारा तोताराम को टोटाराम उच्चारण करते हैं। इसके

विपरीत जिस स्थान की जलवायु उष्ण होती है वहां के लोग अपना वाग्यन्त्र अधिक खोलते हैं अतः उनका उच्चारण अलग अर्थात स्पष्ट होते हैं।

पहाड़ी भागों में यातायात के साधन नहीं के बराबर होते हैं। अतः वहाँ के लोग अलग-अलग रहने के कारण उनकी भाषा का विकास अलग अलग होता है। इस प्रकार भौगोलिक वातावरण के कारण भाषा में परिवर्तन आ जाता है।

8) वैज्ञानिक कारण --

आज का युग विज्ञान का है। विज्ञान ने मानव जीवन के क्षेत्र को प्रभावित किया है। अतः भाषा भी प्रभावित हुई है। वैज्ञानिक आविष्कारों को समझने के लिए तथा उन्हें नाम देने के लिए संसार की भाषाओं में सदा नए-नए शब्दों का निर्माण हो रहा है। भाषा ने भी इस समुचित ज्ञान को प्राप्त करने के लिए नए शब्दों को ग्रहण किया है--

उदाहरणार्थ -- एटम के लिए परमाणु
कंपाउंड के लिए यौगिक
वेपर के लिए बाष्प

निष्कर्ष रूप में हम कह सकते है कि भाषा सदा परिवर्तित होती रहती है। भाषा परिवर्तन के लिए अभ्यंतर और बाह्य कारण प्रभाव डालते है।